भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

दैनिक जागरण

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 21.01.2019

केके के तरानों के कायल हो गए भावी इंजीनियर

दो घंटे देरी से काशी यात्रा कार्यक्रम शुरू होने के बाद भी जमे रहे छात्र

केके के तरानों पर झूमते विद्यार्थी ● जागरण

गायन प्रस्तुत करते पार्श्व गायक केके

जागरण संवाददाता, वाराणसी : मोटी किताबों व उपकरणों में अक्सर ही दिमाग खपाने वाले भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू के भावी इंजीनियर रविवार की रात पार्श्वगायक केके के गीतों के कायल हो गए। केके के मंच पर चढ़ते ही युवक-युवतियां उनके दिदार के लिए उछलने लगे। केके के हर तराने पर छात्र-छात्राओं ने जमकर डांस किया। केके नाम से मशहूर गायक कृष्णकुमार कुन्नथ ने जब 'तूने मारी एंट्री यार-दिल में बजी घंटी यार' गाने पर ग्राउंड में मौजूद सभी लोग एक साथ मिलकर नाचे। दो घंटे की देरी नौ बजे शुरू कार्यक्रम में केके हर गाने पर तालियों और हूटिंग से जोरदार स्वागत हुआ। 'क्या मुझे प्यार है यार...' गीत से ग्राउंड में मौजूद छात्र-छात्राएं वीआईपी और वीवीआइपी थिरकने पर मजबूर हो गए। 'हर पल जाने जाना संग हूं तेरे' पर

आइआइटी

- हिंदी फिल्मों के गीतों से हुआ काशीयात्रा का हुआ समापन
- 'तूने मारी एंट्री यार-दिल में बजी घंटी...' गीत पर झूमे युवा

युवाओं ने राग से राग मिलाया। 'आंखों में तेरी अजब सी अजब सी अदाएं हैं', 'तुझको जो पाया तो जीना आया और लबों को लबों पर सजा लो' गाने पर ग्राउंड से लेकर स्टेज तक मौजूद सभी ने झूमते हुए गाने का आनंद लिया। वह सांस्कृतिक महोत्सव काशीयात्रा-2019 में आए थे। तीन दिनों चलने वाला वाले इस कार्यक्रम का समापन बड़ी धूमधाम हुआ।

अस्मिता में अभिनय का लोहा- अस्मिता मोनो ऐक्ट में छात्रों ने अपने अभिनय का लोहा मनवाया। उन्होंने अपनी भावनाओं को दर्शकों के सामने प्रकट करने की कोशिश की। उनकी इस क्षमता को परखने वाले निर्णायक गण में दिग्गज अभिनेता शिशिर शर्मा शामिल थे।

बिना पेन, पेंसिल के बनाई पेंटिंग- तलिका में रंगबाजी, फेस पेंटिंग, वस्त्र शिल्प के तहत तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। शुरुआत हुई रंगबाजी से, जिसमें कलाकारों ने बिना पेन, पेंसिल या स्केच के इस्तेमाल से ही पेंटिंग बनाई। आइआइटी रूड़की, एचबीटीयू कानपुर, दिल्ली यूनिवर्सिटी ने भाग लिया।

चीते के मुंह का डिजाइन बनाया - फेस पेंटिंग भी खास रही। इसमें प्रतिभागियों को अपने साथी के चेहरे को एक दी गई थीम के आधार पर रंगना था। इस बार की थीम थी 'जीव-जंतु'। इसमें आइआइटी रूड़की, अमीटी लखनऊ, दिल्ली विवि सहित केरीब 25 कालेजों से आई 80 टीमों ने हिस्सा लिया।